

13/06
21

प्रार्थी द्वारा प्रति अश्विमेधा उपस्थित
 के एक प्रश्न का पालनी के रूप
 में अपेक्षा नहीं की जाये वास्तु यह
 ही है। पालनी सिद्ध है तल
 की गई। प्रार्थी को ज्ञाप्य यह है
 कि यदि हीन से उक्त प्रश्न
 के बीच समझौता हो जाये उक्त पालनी
 के रूप में अपेक्षा नहीं की जाये
 है। प्रार्थी द्वारा पालनी के लिए
 अपेक्षा नहीं की जाये है पालनी ही
 ही जाये है। पालनी के लिए प्रश्न
 हीन नम्बर है यह है।


 उपस्थित अधिकारी
 जजपुर (सिविल)

जि
 I. d. k